Inspira-Journal of Commerce, Economics & Computer Science (JCECS)
ISSN : 2395-7069 General Impact Factor : 2.7273, Volume 05, No. 02, April-June, 2019, pp. 168-170

# chMh m|kx e efgyk LokLF; vkj mRiknu ij iHkko

ईश्वर राजोरिया*
डॉ. रश्मि भार्गव**

## lkj ¼Abstract½

*यह कहा जाता है कि ''स्वास्थ्य ही धन है'' बीड़ी उद्योग महिला सशक्तिकरण प्रदान करता है। बीड़ी उद्योग एक ओर रोजगार के अवसर प्रदान करता है तो दूसरी ओर यह तम्बाकू से सम्बिन्धित उत्पाद है जो स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। अतः महिला सशक्तिकरण में बीड़ी उद्योग की भूमिका प्रतिकूल व अनुकूल दोनो ही है। प्रतिकूल प्रभाव के कारण स्वास्थ्य में निवेश बढता है। तम्बाकू जनित बीमारियों के कारण महिलाओं के स्वास्थ्य, आय, उत्पादन व बचत करने की क्षमता पर प्रभाव पडता है। इस शोध अध्ययन हेतु हमने अजमेर शहर के बीड़ी उद्योग से सम्बन्धित 30 परिवारों का अनुसंधान किया। शोध कार्य हेतु हमने महिला बीड़ी श्रमिकों के स्वस्थ होने पर प्राप्त आय तथा तम्बाकू जनित बीमारियों के पश्चात की आय के आंकडों का अध्ययन किया तत्पश्चात सांख्यिकीय विधियों के माध्यम से बीड़ी अद्योग में कार्यरत महिलाओं की आयं बचत और उत्पादकता का अध्ययन किया।*

ldsrd ¼KEYWORDS½ *स्वास्थ्य, तम्बाकू, आय, उत्पादकता, बीड़ी उद्योग, महिला सशक्तिकरण।*

---

## ifjp; ¼Introduction½

ऐसा माना जाता है कि पूरे भारत में 40 लाख लोग बीड़ी उद्योग से जुडे हुए है। बीड़ी उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बीड़ी उद्योग मुख्य रूप से घरेलु महिलाओं से सम्बन्धित है जिनका शिक्षा का स्तर निम्न है परन्तु वह इस उद्योग के माध्यम से आर्थिक विकास में योगदन प्रदान कर रही है जो महिला सशक्तिकरण का परिचायक है। इस शोध पत्र में हम राजस्थान का प्रमुख शहर अजमेर की बीड़ी श्रमिकों के स्वास्थ्य के उत्पादकता व आय पर पडने वाले प्रभावों के बारे में जानेगे। 2011 की जनगणना के अनुसार अजमेर शहर की आबादी 552300 के लगभग है। इसमे से लगभग 18000 महिलाऐ बीड़ी उद्योग में कार्यरत है। इस उद्योग के कारण निम्न आय वर्ग की महिलाऐं (3000 रूपयें से 4000 रूपये प्रतिमाह प्रति व्यक्ति) कमा रही है। जो कि उनके रहने के लिए पर्याप्त नहीं है। बीड़ी बनाने के लिये बीड़ी मजदूर रोजाना 8 से 10 घण्टे काम करते है। बीड़ी एक तम्बाकू से बना उत्पाद है और यह श्रमिक तम्बाकू से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी हाने के बाद भी ऐहतियात नहीं बरतते है जिसके कारण श्रमिक बीमार होते है और इसका असर उनकी आय और उत्पादकता पर पडता है।

एकाग्रता, मृत्यु दर, जन्म दर, कार्य स्थल, जल, स्वच्छता, शौचालय आदि स्वास्थ्य के प्रमुख घटक है। इन सभी घटकों के कारण स्वास्थ्य पर प्रभाव पडता है। यदि स्वास्थ्य अच्छा है तो कार्य करने में एकाग्रता कार्य करने की शक्ति कार्य स्थल पर समय और उत्पादकता आय व बचत में वृद्धि होती है और यदि स्वास्थ्य खराब है तो विपरीत प्रभाव पडने के कारण एकाग्रता और कार्य करने की शक्ति कम होने से आय व उत्पादकता एवं बचत होने के साथ साथ स्वास्थ्य पर किये जाने वाला खर्च बढ जाता है इससे आय का एक बढा हिस्सा जो की बचत हो सकता था वह अब स्वास्थ्य में निवेश बन जाता है।

---

* शोधार्थी (अर्थशास्त्र), अर्थशास्त्र स.पृ.चौ. राजकीय महाविद्यालय, अजमेर, राजस्थान।

** सहआचार्य, अर्थशास्त्र स.पृ.चौ. राजकीय महाविद्यालय, अजमेर, राजस्थान।

मुख्य रूप से ग्रहणिया इस व्यवसाय में भाग ले रही है और अपने परिवार के लिये रोजी–रोटी कमा रही है। बीड़ी श्रमिको को आनुपातिक रूप से उतनी आय नहीं मिल रही जितना समय वह इस कार्य को दे रहे है। तम्बाकू सम्बन्धित उत्पाद होने के कारण श्रमिकों पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है जिससे महिला श्रमिक प्राप्त हाने वाली कम आय का अनुपातिक रूप से स्वास्थ्य पर अधिक खर्च करती है जिससे उनकी बचत करने की श्रमता कम हो जाती है। इस कारण वह अपने परिवार के जीवन स्तर, शिक्षा और अन्य मानव विकास से सम्बन्धित मूल्यों पर निवेश नहीं कर पाते है। इस शोध पत्र के माध्यम से हमने यह जानने की कोशिश की कि महिला सशक्तिकरण में बीड़ी श्रमिकों के उत्पादन पर स्वास्थ्य का क्या प्रभाव पडता है ? शोध अध्ययन हेतु हमने महिला बीड़ी श्रमिकों के 30 परिवारों की प्रश्नावली भरवाकर आंकडे संकलित किये। विशेष रूप से यह आंकडे महिला श्रमिक के स्वास्थ्य खराब होने पर प्राप्त आय व उसी महिला श्रमिक के स्वास्थ्य अच्छा होने पर प्राप्त आय के प्राथमिक आंकडे संकलित किये है। यह शोध पत्र प्रायोगिक परिक्षण अनुसंधान पर आधरित है। शोध कार्य को पूरा करने के लिए हमने 30 परिवारों का अध्ययन किया।

प्रश्नावली के माध्यम से शोध कार्य हेतु उत्तर दाताओं से बीड़ी श्रमिकों से कुछ प्रश्न पूछे गये। इस प्रश्नावली में विभिन्न प्रकार के बीड़ी श्रमिकों से उनकी मासिक आय व उनके स्वास्थ्य पर किये जाने वाले व्यय पर प्रश्न पूछे गये साथ ही स्वास्थ्य सुविधाए, स्वच्छता और सरकारी योजनाओं की जानकारी होने आदि सवाल किये गये कि क्या उन्हें जानकारी है कि तम्बाकू सम्बन्धित बीमारियों की और स्वस्थ्य रहने के लिए वह इस पर कितना खर्च करते है?, जिसका असर उनकी आय पर पडता है। जो बीड़ी श्रमिक अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नहीं है उनका स्वास्थ्य पर खर्च अधिक है।

शोध का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना था कि बीड़ी श्रमिक के खराब स्वास्थ्य का उनकी आय के उपर क्या प्रभाव पडता है। इस उद्देश्य के लिए हमने बीड़ी श्रमिकों के सामान्य आय व आंकडों को एकत्र करते हुए जब अनका स्वास्थ्य अच्छा था और जब उनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं था अर्थात खराब स्वास्थ्य के कारण उनकी उत्पादकता प्रभावित हुइ और जितना वह पहले कमा रहे थे उससे काफी कम कमा पा रहे है और स्वास्थ्य के लिए उनके खर्चें बढ रहे है।

## mnn'; (Objectives)

अनुसंधान का प्राथमिक उद्देश्य महिला सशक्तिकरण हेतु उत्पादकता पर स्वास्थ्य के प्रभाव का विश्लेषण और माप करना है। अध्ययन के उद्देश्य निम्नानुसार है :–

- यह साबित करने के लिए अच्छा स्वास्थ्य उच्च उत्पादन का प्रतीक है ''अन्य बाते समान रहने पर''।
- स्वास्थ्य और सामाजिक उपरी पूंजी पर व्यय के बीच सम्बन्ध स्थापित करना।
- महिलाओं का इस उद्योग में अधिक सहभागिता एवं रूझान के कारणों का आंकलन।
- आर्थिक चरों जैस आय, उत्पादन एवं बचत में सम्बन्ध स्थापित करना।

## ifjdYiuk (Hypotheses)

अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार निम्नलिखित परिकल्पना तैयार की गई है :–

- 'kU; ifjdYiuk **(Null Hypothesis)**

$H_0$% बीड़ी श्रमिक के स्वास्थ्य व उत्पादकता में सम्बन्ध नहीं है।

- o|dfYid ifjdYiuk **(Alternate Hypothesis)**

$H_1$% अच्छे स्वास्थ्य व आय में सम्बन्ध है।

$H_2$% बीड़ी उद्योग में श्रमिकों के स्वास्थ्य पर हानिकारण प्रभाव का परिक्षण।

## vuqla/kku i)fr (Research Methodology)

शोध अध्ययन पूरा करने के लिए अनुसंधान अभिकल्प में प्राथमिक आंकडों का संकलन किया गया है। प्राथमिक समंकों को प्राप्त करने हेतु शोध कार्ता द्वारा प्रश्नावली का निर्माण किया गया है और इन प्रश्नावलीयों को साक्षात्कार द्वारा भरवाकर प्राथमिक समंक संकलित किये गये है। प्रश्नावली में महिला बीड़ी श्रमिकों से उनकी आय, बचत, बीड़ी जनित बीमारी, सरकार द्वारा उनके लिये चलाई जा रही नीतिया, जल, शौचालय, स्वास्थ्य, न्यूनतम मजदूरी की जानकारी सम्बन्धित प्रश्न पूछे गये। चूंकि उत्तरदाता ज्यादातर अनपढ है इस हेतु शोधकर्ता द्वारा प्रत्यक्ष साक्षात्कार द्वारा प्रश्नावली पूर्ण की गई।

## vuqla/kku midj.k (Research Tools)

- प्रयोगात्मक तकनीक
- प्रश्नावली
- शोध अध्ययन हेतु युग्मित T परीक्षण (Paired T-Test)

## fu"d"k (Conclusion)

शोध कार्य पूर्ण करने हेतु हमने महिला बीड़ी श्रमिकों के स्वस्थ्य होने पर प्राप्त आय तथा तम्बाकू जनित बीमारी के पश्चात की आय के आंकडों का अध्ययन किया। तत्पश्चात् सांखिकीय विधियों के माध्यम से बीड़ी उद्योग में कार्यरत महिलाओं की आय, बचत और उत्पादकता का अध्ययन किया। उत्तरदाताओं से प्राप्त प्रश्नावली के सांखिकिया विधियों के द्वारा अध्ययन के पश्चात् यह प्रमाणित t = -4.385, t = 0.00014 होता है कि अच्छा स्वास्थ्य आय उत्पादकता व बचत को बढाता है। प्रयोगात्मक परीक्षण द्वारा प्राप्त 30 बीड़ी श्रमिकों के परिवारों को प्राप्त आय और कमजोर स्वास्थ्य में अन्तर पाया गया है। अनुसंधान अध्ययन में बीड़ी श्रमिकों की आय में समानान्तर माध्य (Parrellar Mean) में अन्तर पाया गया। जब महिला बीड़ी श्रमिकों का स्वास्थ्य अच्छा था तब उनकी आय का अंकगतिय माध्य (Arthmatical Mean) 3293.14 पाया गया जबकि महिला बीड़ी श्रमिकों के खराब स्वास्थ्य के समय अंक गणितीय माध्य 2153.24 पाया गया। बीड़ी श्रमिकों के समानान्तर माध्य में अन्तर 1139.9 पाया गया। अतः शून्य परिकल्पना (Null Hypothesis) अस्वीकार्य की जाती है और वैकल्पित परिकल्पना (Alternate Hypothesis) स्वीकार्य की जाती है। सार्थकता परिक्षण पर $P < 0.05$ In fact $P = 0.00014$ अतः वैकल्पिक परिकल्पना स्वीकार्य है। अतः अच्छे स्वास्थ्य और उत्पादकता में सार्थक सम्बन्ध है। अतः निष्कर्ष अनुसार अच्छा स्वास्थ्य उत्पादकता और आय को बढाता है तथा स्वास्थ्य पर होने वाले निवेश को घटाता है जबकि खराब स्वास्थ्य आय और उत्पादकता को घटाता है और स्वास्थ्य पर निवेश को बढाता है।

प्रश्नावली के निर्वचन के आधार पर यह पाया गया कि स्वास्य से सम्बन्धित घटक जल, स्वास्थ्य, शौचालय, शिक्षा, जीवन स्तर, जन्म दर, मृत्यु दर आदि का स्वास्थ्य पर प्रभाव पडता है। प्रश्नावली के निर्वचन के आधार पर यह पाया गया कि 37 प्रतिशत बीड़ी श्रमिकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का ज्ञान नहीं है और 62 प्रतिशत श्रमिकों के पक्के मकान, भौतिक सुविधा, शौचालय, स्वच्छ जल आदि सुविधाए उपलब्ध है जो महिला सशक्तिकरण का घोतक है।

युग्मित t परिक्षण (Paired t-test, $t = -4.385$, $p = 0.00014$) के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि स्वास्थ्य और उत्पादकता में सार्थक सम्बन्ध है।

## lUnHk xzUFk lwph (References)


- भारत सरकार (2006), 'स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय' भारत में तम्बाकू नियंत्रण पर प्रतिवेदन, नई दिल्ली
- जॉन ए मार्टिन (1990), 'ब्लिस्ड आर द एडिक्ट्स : स्प्रिचुअल साइड ऑफ एल्कोहॉलिज्म, एडिक्शन एण्ड रिकवरी', जर, ऑफ साइक्रेटी, यू.एस.ए.
- व्लर्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन (2004), तोबेको एण्ड पोर्वटी : अ वेरियस सर्किल
- Ranis, G., Stewart, F., & Ramireg, A.(2000). Economic growth and human development world development, 28(2), 197-219.


❑❑❑